भारत की वनस्पतियाँ - 2

- 1000 m की ऊँचाई तक = आर्द्र पर्णपाती वन पाए जाते हैं।
  up to an altitude of 1000 = moist deciduous forests are found.)
- प्रमुख वृक्ष = साल, बागवान, शीसम, चंदन आदि
  (Main trees) = sal, teak, Rosewood, sandlewood etc.)

(1 - 2 km)
- 1000 m — 2000 m तक की ऊँचाई पर आर्द्र शीतोष्ण वन पाए जाते हैं।
  (Humid temprate forests are found up to an altitude of 1000m — 2000m.)

प्रमुख वृक्ष = ओक, चेस्टनट (चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष)
(Main trees) = Oak, chestnut (board leaves plants)

- 1500 — 3000 m की ऊँचाई तक
  1500 - 3000m altitude

  - शंकुधारी वन (coniferous forest)
  - चीड (Pine), देवदार (cedar), स्प्रूस (spruce

- 3600m की ऊँचाई पर
(at an altitude of more than 3600 m)

  - अल्पाइन वनस्पति (Alpine Vegetation)
  - सिल्वर फर (silver-fir), जूनिपर (Juniper)

- प्रमुख क्षेत्र (Main area)

- अरुणाचल प्रदेश, J$K, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम
- Arunachal Pradesh, J&K, Laddakh, Himachal Pradesh, Sikkim.

ज्वारीय वन / मैंग्रोव वन
Tidal forests.

- ये वन दलदली क्षेत्र, डेल्टाई क्षेत्र में देखने को मिलते हैं। जैसे - सुंदरवन डेल्टा (प. बंगाल), कच्छ का रण (गुजरात) कृष्णा गोदावरी डेल्टा (A.P), कावेरी का डेल्टा (तमिलनाडु) आदि।

These forests are found in marcy area, Delta area such as sundarbans Delta (wes Bengal), Rann of kutch (Guyrat), Krishna Godavari Delta (AP), kaveri's Delta, (Tamilnadu) ETC.

• इन वनों में वृक्षों की ऊँचाई : 30 m तक
Height of Plants in thise forests : Up to 30m

• प्रमुख वृक्ष : सुंदरी (sundari), नारियल (coconut), ताड (Palms), ऐगार (agar) आदि।

• इन वनों के वृक्षो की जड़ें जटा की तरह फैली होती हैं। एवं अपने तने को पानी से ऊपर उठा कर रखती हैं।

The roots of the Plants of these forests are spread like matted hairs, and kept their trunk above the water.

o भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के .15 % पर Tidas forest का विस्तार है।

Tidas forests are spread over .15% of the total Graphical area of India.

o भारत मे Tidas forests का सर्वाधिक विस्तार-

① पं० बंगाल
② - गुजरात

- The maximum expension of tidal forests in India is found in – ① → West Bengal
  ② → Gujrat.

- भारत में Tidas forests का सबसे बड़ा क्षेत्र सुंदरवन (प. बंगाल) है।

→ Sundarban is the largest area of tidal forests in India.

•भारत की मृदाएं
Soils of India

• भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने बताया 1986 में 8 प्रमुख, 27 गौण मृदाएं प्राप्त होती हैं।

In 1986 Indian Council of Agriculture Research was told that 8 major and 27 minor soils are found in India.

① - जलोढ मिट्टी (Alluvial soil)
② - लाल मृदा (Red soil)
③ - काली मृदा (Black soil)
④ - लैटेराइट मृदा (laterite soil)
⑤ - मरूस्थलीय मृदा (Desert soil)
⑥ - पर्वतीय मृदा (mountainous soil)
⑦ - पीट एवं जैविक मृदा (Peaty soil)
⑧ - नमकीन एवं क्षारीय मृदा (Salin and Alkaline Soil)

→ m.g.mp

•जलोढ मिट्टी (Alluvial Soil)

• जलोढ मिट्टियाँ विशाल मैदानों (पंजाब से असम तक) नर्मदा, तापी, महानदी, कृष्णा, गोदावरी, तथा कावेरी की घाटियों एवं केरल के तटवर्ती क्षेत्र में लगभग 15 लाख वर्ग Km क्षेत्र (देश के 45.4% भू-भाग) पर विस्तृत है। (NCERT में 40% क्षेत्र पर विस्तार दिया है)

Alluvial soils are spread over an area of about 15 lakh sq km (43.4% of the country's land area) in the vast plains (From Punjab to Asom), Narmada, Tapi, Mahanadi, Godavari, Krishna and Kaveri basins and the coastal Parts of Kerala. (Expansion on 4% Field is given in NCERT.)

- ये मिट्टियाँ नदियों द्वारा अपरदित पदार्थों से निर्मित हैं (These soils are made of materials eroded by the rivers.)
- ये हल्की भूरे से राख जैसे रंग की हैं, तथा गठन में रेतीली से दोमट प्रकार की हैं।
(They are light brown to ash brown in color and sandy to loamy in texture.)
- इन मृदाओं में पोटाश व चूना प्रचुर मात्रा में मिलता है, फास्फोरस, नाइट्रोजन और जीवांश का अभाव होता है।
(Potash and lime are available ~~are~~ in abundance in these soils, there is lack of phosphorus, nitrogen and organic matter.)
- यह मिट्टी धान, गेहूँ, गन्ना, दलहन, तिलहन आदि की खेती के लिए उपयुक्त है।
- This soil is suitable for the cultivation of Paddy, wheat, sugarcan, pluses, oilseeds etc.

ROJGAR WITH ANKIT

- जलोढ़ मृदाओं पर गहन कृषि की जाती है (NCERT)
(Intensive agriculture is done on alluvial soils)

- ये मृदा अत्यधिक उपजाऊ मृदा है।
(This soil is highly fertile)

- इस मृदा को कछारी / कांप भी कहा जाता है।
(This soil is also known as kachari soil, kamp soil)